an>

Title: Need to make river Yamuna in Delhi pollution free.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) :, मैं सरकार का ध्यान प्रदूषित हो रही यमुना और हजारों करोड़ रूपए खर्च होने के बाद भी यमुना की बदहाल स्थिति की ओर दिलाना चाहता हूं । यमुना हमारे देश में धार्मिक महत्व रखने वाली प्रमुख नदियों में से एक है । हमारे देश में नदियों को एक विशेष महत्व दिया जाता है । यहाँ तक कि " मां" की संज्ञा दी जाती है लेकिन दिल्ली में यमुना की दुर्दशा को देख मन व्यथित होता है । दुखद बात है कि यमुना दिल्ली में आज केवल मात्र नाला बनकर रह गई है । दिल्ली सरकार और संबंधित विभागों के ढुल-मुल रवैये तथा अपेक्षित इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज हजारों करोड़ रूपये खर्च होने के बाद भी यमुना की इतनी खराब स्थिति है । यमुना नदी के तल पर हो रहे अतिक्रमण पर नकेल न कसी जाने की वजह से कुछ जगह यमुना नदी का तल मात्र 800 मीटर ही रह गया है । यमुना की बाढ़ से प्रभावित होने वाली जमीन को दिल्ली में चल रहे निर्माण और अन्य चीजों के मलबे का डम्पिंग यार्ड बना दिया गया है । वर्ष 2010 में आई यमुना नदी में बाढ़ के बाद 28 अक्तूबर, 2010 को गुग्गल प्लस द्वारा ली गई तस्वीर में यमुना नदी के जल निकाय स्पष्ट रूप से दिखाइ दे रहे थे लेकिन मात्र एक साल में उनपर मलबा डाल झुग्गियाँ बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया जिसके संदर्भ में कोई कार्यवाही नहीं की गई। यही स्थिति यमुना नदी के आस-पास हर जगह बनी हुई है । यमुना हिमालय की गोद से निकलकर उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश होते हुए 1370 किलोमीटर की दूरी तय करती है । दिल्ली में यमुना की लंबाई 48 किलोमीटर है जो यमुना की लंबाई का केवल 3 प्रतिशत है । लेकिन जो ठोस अवशेष और सीवेज दिल्ली में यमुना में डाला जाता है, वह 3800 मीट्रिक टन है जो यमुना को 76 प्रतिशत प्रदूषित करता है । दिल्ली में यमुना को तीन भागों में बाँटा गया है । प्रथम, 26 किलोमीटर पल्ला से वजीराबाद बैराज, द्वितीय, 22 किलोमीटर वजीराबाद बैराज से ओखला बैराज तथा तृतीय, 4-5 किलोमीटर ओखला बैराज से जैतपुर गांव । वजीराबाद बैराज से ओखला बैराज के इस भाग में यमुना नदी के तल (फ्लड प्लेन) में सबसे ज्यादा अतिक्रमण कर यमुना से खिलवाड़ किया जा रहा है । सबसे ज्यादा अनियमित कालोनियाँ यमुना के इसी भाग पर हैं । अशोधित घरेलू और औद्योगिक अवशेष को यमुना में प्रवाहित करने के कारण आज यमुना इतनी प्रदूषित है तथा उसी के साथ धार्मिक स्थल बनाकर कुछ लोग उसका सहारा लेते हैं । हमारा शासन - प्रशासन सेकुलरिज्म के कारण इस अतिक्रमण को बढ़ावा दे रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद शासन पंगु बना हुआ है । अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जनहित में यमुना नदी को प्रदूषित होने से रोकने के लिए तत्काल पर्याप्त कदम उठाए जाएं ।